

चलिका झील में डॉल्फिन की आबादी

ओडिशा के तट और उसके जल नकियों में डॉल्फिन की आबादी में वृद्धि हुई है, जबकि चलिका झील में इरावदी डॉल्फिन की संख्या गिरावट दर्ज की गई है।

- डॉल्फिन की कुल छह प्रजातियाँ- इरावदी (**Irrawaddy**), बॉटलनोज़ (**Bottlenose**), हंपबैक (**Humpback**), धारीदार (**Striped**), फनिलेस (**Finless**) और स्पिनर डॉल्फिन (**Spinner Dolphins**) दर्ज की गई हैं।

डॉल्फिन की वभिन्न प्रजातियाँ:

- इरावदी डॉल्फिन:**
 - आवास:** इरावदी डॉल्फिन दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया के तटीय क्षेत्रों में तथा तीन नदियों- अय्यरवाडी (म्यांमार), महाकम (इंडोनेशियाई बोरनियो) और मेकांग में पाई जाती हैं।
 - मेकांग नदी इरावदी डॉल्फिन कंबोडिया और लाओ पीडीआर के बीच नदी के 118 मील की दूरी में पाई जाती हैं।
 - संरक्षण स्थिति:**
 - IUCN रेड लिस्ट:** संकटग्रस्त (Endangered)
 - CITES:** परशिष्ट I
 - Wildlife Protection Act, 1972:** अनुसूची I
- इंडो-पैसिफिक बॉटलनोज़ डॉल्फिन:**
 - आवास:** इंडो-पैसिफिक बॉटलनोज़ डॉल्फिन आमतौर पर हृदि महासागर, दक्षिण पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया के उथले तटीय जल में पाई जाती हैं।
 - संरक्षण स्थिति:**
 - IUCN रेड लिस्ट:** संकटापन्न (Near Threatened)
 - CITES:** परशिष्ट II
- हृदि महासागर हंपबैक डॉल्फिन:**
 - आवास:** हृदि महासागर हंपबैक डॉल्फिन दक्षिण अफ्रीका से भारत तक हृदि महासागर में पाई जाती हैं।
 - संरक्षण स्थिति:**
 - IUCN रेड लिस्ट:** लुप्तप्राय (Endangered)
 - CITES:** परशिष्ट I
 - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची I
- धारीदार (Striped) डॉल्फिन:**
 - आवास:** धारीदार डॉल्फिन समशीतोष्ण या उष्णकटिबंधीय, अपतटीय जल में नविस करती हैं।
 - यह उत्तर और दक्षिण अटलांटिक महासागरों में बहुतायत में पाई जाती है, जिसमें भूमध्यसागर और मैक्सिको की खाड़ी, हृदि महासागर तथा प्रशांत महासागर शामिल हैं।
 - संरक्षण स्थिति:**
 - IUCN रेड लिस्ट:** कम चिंता (Least Concern)
 - CITES:** परशिष्ट II
- फनिलेस डॉल्फिन:**
 - आवास:** फनिलेस पोरपोइज़ मूल रूप से हृदि-प्रशांत महासागर के तटों के निकट खारे पानी के निकेत में पाए जाते हैं।
 - संरक्षण स्थिति:**
 - IUCN रेड लिस्ट:** गंभीर रूप से लुप्तप्राय
 - CITES:** परशिष्ट I
- स्पिनर डॉल्फिन:**
 - आवास:** स्पिनर डॉल्फिन एक छोटी डॉल्फिन है जो विश्व भर के अपतटीय उष्णकटिबंधीय जल में पाई जाती है।
 - यह अपनी कलाबाजियों के प्रदर्शन के लिये विख्यात है जिसमें यह अपने अनुदैर्ध्य अक्ष के चारों ओर घूमती है क्योंकि यह हवा के माध्यम से छलांग लगाती है।
 - संरक्षण स्थिति:**
 - IUCN रेड लिस्ट:** कम चिंता (Least Concern)
 - CITES:** परशिष्ट II

चलिका झील:

- चलिका एशिया का सबसे बड़ा और विश्व का दूसरा सबसे बड़ा लैगून है।
- यह भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा राज्य में स्थित है, जो बंगाल की खाड़ी से रेत की एक छोटी सी पट्टी से अलग होता है।
- यह भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा के पुरी, खुर्दा और गंजम जिलों में फैली है तथा दया नदी (Daya River) के मुहाने से बंगाल की खाड़ी तक 1,100 वर्ग किलोमीटर तक का क्षेत्र कवर करती है।
- शीतकाल के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करने वाला सबसे बड़ा मैदान होने के साथ ही यह पौधों और जानवरों की कई संकटग्रस्त प्रजातियों का निवास स्थान है।
- वर्ष 1981 में चलिका झील को रामसर कन्वेंशन के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्त्व का पहला भारतीय आर्द्रभूमि नामित किया गया था।
- चलिका में प्रमुख आकर्षण इरावदी डॉल्फिन (Irrawaddy Dolphins) हैं, जिन्हें अक्सर सातपाड़ा द्वीप के पास देखा जाता है।
- लैगून क्षेत्र में लगभग 16 वर्ग किलोमी. में फैला नलबाना द्वीप (फारेस्ट ऑफ रीड्स) को वर्ष 1987 में पक्षी अभयारण्य घोषित किया गया था।
- **कालजिई मंदिर**- यह मंदिर चलिका झील में एक द्वीप पर स्थित है।

वर्षों के प्रश्न:

निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिये:

वन्य प्राणी	प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं
1. नीले मीनपक्ष वाली महाशीर	कावेरी नदी
2. इरावदी डॉल्फिन	चंबल नदी
3. मोरचाभ (रसती)- चित्तीदार बलिली	पूर्वी घाट

उपर्युक्त युगों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

स्रोत: द हिंदू